मणिपुर-इम्फाल। माननीय मुख्यमंत्री एन.बिरेन सिंह को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. नीलिमा।

अजमेर-राज.। सेवाकेन्द्र पर राखी कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिता भदेल ब्र.कु. शान्ता को रक्षासूत्र बांधते हुए। साथ हैं ब्र.कु. रूपा तथा ब्र.कु. आशा।

कानपुर रोड-लखनऊ। लेफ्टिनेंट जनरल जे.के. शर्मा,सी.ओ.एस.,सेंट्रल कमांड एवं उनकी धर्मपत्नी को राखी बांधने के पश्चात् चित्र में उनके साथ ब्र.कु. दिव्या, ब्र.कु. माधुरी व अन्य।

ग्रेटर नोएडा-बेटा टू जी 11। आर.बी.एम.आई. ग्रुप्स ऑफ इंस्टीट्यूशन्स की चेयरपर्सन वीणा माथुर को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् आध्यात्मिक चर्चा करते हुए ब्र.कु. ललिता तथा ब्र.कु. जयन्ती।

जगाधरी-हरियाणा। भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं मार्केट कमेटी चेयरमैन संजीव गर्ग को राखी बांधने के पश्चात् ईश्वरीय पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. अंजु।

दिल्ली-केशवपुरम। लॉरेन्स रोड ट्रैफिक पुलिस को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. राधा, ब्र.कु.शिवानी तथा ब्र.कु. अजीत।

प्रसन्नता

वृक्ष को अगर देखें तो हम पायेंगे कि उसमें कितनी शिक्षायें भरी हुई हैं। वह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में अपनी छाँह, पुष्प, फल, जलावन, लकड़ी और प्राणवायु देता है। पेड़ कुछ कहते नहीं, लेकिन उनका कर्म, उनका अस्तित्व बहुत कुछ कहता है, सिखाता है। वे हर ऋतु का दिल खोलकर स्वागत करते हैं और हर रंग में ढ़ल जाते हैं। बसंत, सावन, पतझड़ और फिर एक नई शुरुआत का स्वागत। यही एक महान शिक्षक के भी गुण हैं। ये छात्रों को ऊर्जावान बनाये रखते हैं जिससे संघर्षों की धूप में छात्रों का रंग पीला नहीं पड़ता, बल्कि घना वृक्ष हरा हो जाता है। तो हम जब भी इन वृक्षों को देखें, तो सिर्फ देखें नहीं, बल्कि उन्होंने जो हमें दिया है उसके बारे में सोचें भी। यदि हम सही मायने में उसे जान पाये तो हम उसके प्रति कृतज्ञ हो जायेंगे।

खलील जिब्रान ने लिखा है, 'पेड़ कविता है, जिसे पृथ्वी आकाश को छूने के लिए लिखती है।' जैसे कि अलबर्ट आइंसटीन कहते हैं 'वह शिक्षक ही होता है, जो हमें रचनात्मक अभिव्यक्ति से लैस करता है।' 'पेड़ हमें महान शिक्षक की भांति कुछ सिखाते हैं, समझाते हैं- ऊंघते और अनमने पेड़ा।' तो चलते हैं पेड़ों की ज्ञान भरी छांव तले, शायद वे शिक्षक बन एक अमृत फल टपका दें।

मानव का प्रकृति से गहरा संबंध है। वृक्ष पर्यावरण की दृष्टि से हमारे परम रक्षक और मित्र हैं। वृक्ष हमें अमृत प्रदान करते हैं। हमारी दूषित वायु को स्वयं ग्रहण करके हमें प्राण वायु देते हैं। वृक्ष हर प्रकार से पृथ्वी के रक्षक हैं जो मरूस्थल पर नियंत्रण करते हैं। नदियों की बाढ़ों से रोकथाम व जलवायु को स्वच्छ रखते हैं। पेड़ों की एक और विशेषता है जिसकी तरफ अभी संसार का ध्यान नहीं गया है। प्रत्येक पेड़-पौधा एक छोटा सा विद्युत(ऊर्जा) ग्रह भी है। **जैसे ही हम किसी पेड़ को देखते हैं, उस पेड़ की** विद्युत हमें मिलने लगती है, हमारे रोग ठीक हो जाते हैं।

हमारी आत्मिक शक्ति बढ़ जाती है। यही कारण है कि ऋषि जंगलों व पहाड़ों पर तपस्या करते थे। कई ऐसे रोग होते हैं जिनके हो जाने पर डॉक्टर्स पहाड़ों पर पेड़ों के बीच रहने के लिए भेज देते हैं। क्योंकि वहाँ वृक्षों से पर्याप्त मात्रा में विद्युत मिलती है।

जब हम थके हुए होते हैं तो किसी हरे-भरे बाग में जाने से थकावट दूर हो जाती है। असल में हमें पौधों से ऊर्जा मिलती है। जिससे हमारी थकावट उतर जाती है। रंग-बिरंगे फूलों और पत्तों को देखकर खुशी होती है क्योंकि उनमें प्रचुर ऊर्जा होती है। अगर हम किसी पौधे को देखते ही यह सोचें कि आप कल्याणकारी हैं या कोई सकारात्मक शब्द बोलते हैं तो उसकी ऊर्जा हमारे में आने लगती है और हमें अच्छा-अच्छा लगने लगता है। कोई गुलाब के फूलों से स्वागत करे तो हमें कितना अच्छा लगता है। अक्सर स्नेह प्रकट करने का यही उत्तम ढंग है दूसरों को फूल देना। परंतु इसके पीछे फूलों की ऊर्जा है जो हमें आकर्षित करती है, सुकून देती है।

जिन पेड़ पौधों से प्रचुर मात्रा में बिजली मिलती है - वह है केला, कैक्टस, गुलाब, अगिया घास, आक, बैंगन, आलू, टमाटर, पपीता, हरी मिर्च, अमरूद आदि वृक्ष एवं सब्जियों के पौधे। इन पौधों की विद्युत से हम बल्ब भी जगा सकते हैं। आपके आस-पास जो भी पौधें हैं या कहीं आते-जाते देखते हैं तो उन पौधों को सकारात्मक विचार दिया करो। इससे उनकी ऊर्जा आप में आने लगेगी और आपकी खुशी बढ़ेगी। जितना ज़्यादा पौधों को तरंगें देंगे, उतना ही आपका मानसिक बल बढ़ेगा और आप सहज योगी बन जायेंगे।

दिल्ली-राजेन्द्र नगर। विधानसभा क्षेत्र विधायक विजेन्द्र गर्ग को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. बाला। साथ हैं ब्र.कु. अभिनव।

खल्लीकोट-ओडिशा। मजिस्ट्रेट जनमेजय पोलिया को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. ज्योत्सना।

दिल्ली-बुराड़ी। निगम पार्षद अनिल त्यागी को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. लाज बहन।

दिल्ली-हरिनगर। सुधांशु श्रीवास्तव,सीनियर एक्ज़ीक्युटिव एडिटर,हिन्दुस्तान हिन्दी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. शालू।

दिल्ली-करोल बाग। पूर्व प्रधानमंत्री माननीय मनमोहन सिंह को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. आशा दीदी।

कादमा-हरियाणा। बाढ़डा के विधायक सुखविंदर सिंह मांढी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. वसुधा तथा ब्र.कु. ज्योति।

गोपालगंज-बरहरिया। भारतीय मानवाधिकार के जिलाध्यक्ष ब्र.कु. जे.पी. भाई को राखी बांधने से पूर्व आत्म स्मृति का तिलक लगाते हुए ब्र.कु. कान्ति।

बहल-हरियाणा। चौधरी बंसी लाल युनिवर्सिटी,भिवानी के वाइस चांसलर प्रो. आर.के. मित्तल को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. शकुन्तला।

मेरठ-शास्त्रीनगर(उ.प्र.)। जिला जेल सुपरीन्टेंडेंट बी.डी. पाण्डेय को रक्षासूत्र बांधते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बीना।

निहाल सिंह वाला-पंजाब। एस.एच.ओ. दिलबाग सिंह को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. पूजा।